रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

भारत को अत्मनिर्भर बनाने में कौशल विकास संस्थान की भूमिका महत्वपूर्ण– प्रो. मिश्र
रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय अतंर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ

जबलपुर 25 मार्च। भारत आज तेजी से आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इसमें सबसे महत्वपूर्ण भूमिका कौशल विकास संस्थान की है, जो समसामयिक समाधान में महत्वपूर्ण है। प्रत्येक राज्य, जिला, कमिश्नरी सभी मिलकर भारत को आत्म निर्भर बनाने में जुटे हैं। रोटी, कपड़ा और मकान के साथ–साथ टेक्नोलाजी भी मूलभूत आवश्यकता है। वर्तमान भारत को आत्मनिर्भर बनाने में इन सबका बहुत बड़ा योगदान है।

उक्त बातें रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने शुक्रवार को 'आत्मनिर्भर भारतः वर्तमान स्थिति, बाधाएं और समाधान' विशय पर आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के शुभारंभ अवसर पर अध्यक्ष की आसंदी से कही। विश्वविद्यालय व्यावसायिक अध्ययन और कौशल विकास संस्थान एवं विवि आंतरिक गुणवत्ता आकलन प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित संगोष्ठी में प्रो. मिश्र ने कहा कि भारत कृषि प्रधान देश है। अब छोटी–छोटी इंडस्ट्रियों का समय आ गया है। ये इंडस्ट्रियां तेजी से आगे बढ़ रही हैं। भारत को आत्मनिर्भर बनाने में नैतिकता की भी बहुत आवश्यकता है। माता–पिता को प्रथम गुरु माना जाता है। मनुष्य के आचरण से हम देश को आत्म निर्भर बना सकते हैं। इसके साथ नैतिक जिम्मेदारियों का पालन करके हम देश को सशक्त बना सकते हैं।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि माननीय प्रो. राजकुमार आचार्य, कुलपति, अवधेश प्रताप सिंह वि.वि., रीवा ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत में संस्कृति व संस्कार का बहुत बड़ा योगदान है। स्वावलंबन ही आत्मनिर्भरता है। मन के अंदर की विवशता को छोड़ना भी आत्मर्भिरता है। आत्मनिर्भरता की शुरुआत मन से होती है। इसलीए कहते हैं कि मन के हारे हार है, मन के जीते जीत।

कार्यक्रम संयोजक प्रो. राजेश्वरी राणा ने भारत को आत्मनिर्भर बनाने वाले प्रमुख कारकों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम सचिव प्रो. सुरेंद्र सिंह ने आयोजन के उद्देश्यों की भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में कुलसचिव प्रो. बृजेश सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

इन्हें मिला सम्मान–

इस अवसर पर प्रो. राज कुमार आचार्य, प्रो कपिल देव मिश्र, प्रो सुरेन्द सिंह एवं डॉ गोविंद पाण्डेय को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। साथ ही साथ कौशल विकास संस्थान की डॉ मीनल दुबे को 'बेस्ट साइकोलोजिस्ट ऑफ द ईयर अवार्ड' प्रदान किया गया एवं श्री सम्राट बोस को बेस्ट रिसर्चर अवार्ड प्रदान किया गया तथा विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान के लिए अन्य 44 अवार्ड प्रदान किए गए।

कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में तकनीकी शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम का संचालन डा. अश्विनि कुमार दुबे ने किया। इस दौरान नानाजी पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय के पूर्व कुलसचिव डा. गोविन्द पाण्डेय, प्रो. रीता भंडारी, प्रो. लोकेश श्रीवास्तव, प्रो. सुनीता शर्मा, डा. सुलक्षणा त्रिपाठी एडमिन इन कॉर्पोरशन के डायरेक्टर डॉ अनिल मेहरा, डॉ अंशुजा तिवारी, बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल सहित विभिन्न शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

.....

प्रथम अपील की सुनवाई में 2 प्रकरणों का निपटारा

जबलपुर 25 मार्च। रादुविवि में सूचना के अधिकार के तहत आज प्रथम अपलीय अधिकारी एवं कुलपति मान. प्रो. कपिल देव मिश्र द्वारा प्रथम अपील की सुनवाई करते हुए प्रस्तुत सभी 02 प्रकरणों का त्वरित निपटारा किया गया। इस दौरान सहायक कुलसचिव श्री अभयकांत मिश्रा, विधि प्रकोष्ठ के एड. बृजेश उपाध्याय सहित स्थापना विभाग के अनुभाग अधिकारी एवं अपील से संबंधित विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे। मान. कुलपति ने दोनों प्रकरणों से संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों शीघ्र निराकरण किए जाने के निर्देश दिए, जिस पर अपीलार्थियों ने संतोष व्यक्त किया। मान. कुलपति जी ने आगे भी प्रत्येक माह में अपील की सुनवाई किए जाने के निर्देश दिए।